

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No. \_\_\_\_\_

**J-5009**

**PAPER – III**

**Time : 2½ hours]**

**INDIAN CULTURE**

**[Maximum Marks : 200**

**Number of Pages in this Booklet : 32**

**Number of Questions in this Booklet : 26**

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

## INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खण्ड – I

**Note :** This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and each carries **five (5)** marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The period of the Vedas, Brāhmaṇas and Upaniṣads is a sort of transition from prehistory to history. If history, as distinct from archaeology, is the study of human past from written sources, then India's history begins with the Āryans. The *R̥g Veda*, and the great body of oral religious literature which followed it in the first half of the 1st millennium B.C., are part of the living Hindu tradition. The Vedic hymns are still recited at weddings and funerals, and in the daily devotions of the brāhmaṇ. Thus they are the part of historical India, and do not belong to her buried prehistoric past. But they tell us little about the great events of the time, except in irritatingly vague incidental references; even on social conditions their information is scant; only on religion and thought is the historian more fully informed.

Yet from the hymns of the *R̥g* and *Atharva Vedas*, the sacrificial instructions of the Brāhmaṇas, and the mysticism of the Upaniṣads, the outlines of a culture emerge, though often all too vaguely, and here and there we see the faint wraiths of great sages and tribal leaders, whose importance for their times was such that their names were recorded in Sacred literature. Around these phantoms later tradition draped a glittering mantle of legend, legend in which many Indians still implicitly believe, and which, in other contexts, is exceedingly important. But when the mantles are removed only vague shadows remain, little more than the names of chieftains who three thousand years ago waged successful war against their enemies. For the period before the time of the Buddha we can only trace the general character of the civilization which produced the Vedic literature and give a brief and tentative sketch of its expansion.

वेदों, ब्राह्मणों और उपनिषदों का समय प्रागैतिहासिक से ऐतिहासिक तक का एक अन्तरिम समय-सा है। यदि हम यह स्वीकार कर लें कि इतिहास, पुरातत्वसे भिन्न मनुष्य जाति के अतीत का लिखित साधनों द्वारा एक अध्ययन है, तो भारतीय इतिहास आर्यों से प्रारम्भ होता है। ऋग्वेद तथा कण्ठस्थ धार्मिक साहित्य की विशाल राशि जिसकी रचना ईसा पूर्व प्रथम सहस्राब्दी के पूर्वार्द्ध में हुई, हिन्दू

परम्पराओं का सजीव अंश है। वैदिक मन्त्रों का पाठ आज भी विवाह, अन्त्येष्टि तथा ब्राह्मणों की नित्य संध्या में किया जाता है। इस प्रकार से ये ऐतिहासिक भारत के अंग हैं तथा लुप्तप्राय प्रागैतिहासिक भूतकाल से किसी प्रकार भी सम्बन्धित नहीं है। परन्तु वे तत्कालीन महान घटनाओं के विषय में, कुछ संदिग्ध सामयिक प्रसंगों के अतिरिक्त कुछ भी बोध नहीं कराते। यहाँ तक कि उनमें सामाजिक दशा सम्बन्धी सूचना भी अत्यल्प है, केवल धर्म तथा दर्शनशास्त्र के सम्बन्ध में इतिहासज्ञों को पूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है।

फिर भी ऋग्वेद तथा अथर्ववेद के मन्त्रों, ब्राह्मणों में वर्णित यज्ञ सम्बन्धी निर्देशों तथा उपनिषदों के रहस्यवाद से एक सभ्यता की रूपरेखा का उदय होता है। यद्यपि यह सब प्रायः अत्यन्त अस्पष्ट है। यत्र तत्र हम महान ऋषियों तथा कबीलों के नेताओं की धुँधली आत्माओंकी झलक देखते हैं। जिनका महत्व अपने समय के लिए ऐसा था कि पवित्र साहित्य में उनके नाम उल्लिखित किये गये। इन प्रेत-आत्माओं के चारों ओर उत्तरकालीन परम्पराओं ने पौराणिक कथाओं को एक आलोकमय आवरण पहना दिया। ये पौराणिक कथाएँ ऐसी थीं जिनमें अनेक भारतीय अब भी असंदिग्ध रूप से विश्वास करते हैं तथा जो अन्य प्रसंगों में अत्यधिक आवश्यक है। परन्तु जब वे आवरण हटा दिये जाते हैं। केवल धूमिल छाया ही अवशिष्ट रह जाती है, जो उन सरदारों के नामों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है जिन्होंने ३००० वर्ष पूर्व अपने शत्रुओं के विरुद्ध सफलतापूर्वक युद्ध किया था। महात्मा बुद्ध से पूर्व के समय के सम्बन्ध में हम केवल सभ्यता के उस सामान्य चरित्र की खोज कर सकते हैं। जिसने वैदिक साहित्य को जन्म दिया और उस सभ्यता के विस्तार का संक्षिप्त एवं परीक्षात्मक चित्रांकन कर सकते हैं।

1. What do you understand by proto history period of India ?  
भारत के आद्य इतिहास काल से आप क्या तात्पर्य समझते हैं ?

2. Why is Oral religious literature of the past considered to be part of living Hindu tradition ?

अतीत के मौखिक धार्मिक साहित्य को जीवन्त परम्परा का एक भाग क्यों माना जाता है ?

3. Is there any historical significance of the Vedic hymns ?

वैदिक मंत्रों का क्या कोई ऐतिहासिक महत्व है ?

4. How useful are the Brahmanas and Upanisads in constructing cultural history of that period ?

अपने समय के सांस्कृतिक इतिहास की रचना में ब्राह्मण एवं उपनिषद किस सीमा तक उपयोगी है ?

5. Why is it not possible to obtain a comprehensive picture of Indian civilization for the pre-Buddha period ?

बुद्धपूर्व कालीन भारतीय सभ्यता की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना क्यों संभव नहीं है ?

SECTION - II

खण्ड – II

**Note :** This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

**नोट :** इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Who were the aborigines of India ?

भारत के आदिमवासी कौन थे ?

7. What do you understand by 'Megalithic Culture' ?

महाशम संस्कृति से आपका क्या अभिप्राय है ?

8. Identify five Harappan sites discovered after independence.

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात खोजे गये पाँच हड़प्पीय स्थलों की पहचान कीजिये।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

9. Name the different subjects discussed in the *Atharva Veda*.

अथर्व वेद में विवेचित विविध विषयों का नामोल्लेख कीजिये।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



10. What constitutes the Vedanga ?

वेदांग में क्या-क्या सम्मिलित हैं ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

11. Explain the term *Kārṣāpana*.

कार्षापण का अभिप्राय समझाइये।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

12. What is the *Ārṣa* form of marriage as mentioned in the *sūtra* literature of India ?

सूत्र साहित्य में वर्णित आर्ष विवाह क्या होता था ?

13. Discuss the representation of elephant in the Mauryan art.

मौर्य कला में हाथी के अंकन की विवेचना कीजिये।

14. Which was the main centre of 'Mamalla style of art' ? From which Pallava king did it get its name ?

'मामल्ल कला शैली' का मुख्य केन्द्र कहाँ था ? किस पल्लव शासक से इसका नामकरण सम्बन्धित है ?

15. What do you understand by the term Maharashtra Dharma ?

महाराष्ट्र धर्म शब्द से आप क्या समझते हैं ?



18. What do you mean by Home charges ?

आप होम चार्जेस के बारे में क्या जानते हैं ?

19. Define Utilitarianism.

उपयोगितावाद को परिभाषित कीजिए ?

20. How would you distinguish between the primary and secondary sources ?  
आप प्राथमिक और गौण स्रोतों में कैसे अन्तर कीजिएगा ?

**SECTION - III**

**खण्ड – III**

**Note :** This section contains **five (5)** questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries **twelve (12)** marks and is to be answered in about **two hundred (200)** words.

**(12x5=60 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **पाँच ( 5 )** प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न **बारह ( 12 )** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ ( 200 )** शब्दों में अपेक्षित है।

**(12x5=60 अंक)**

**Elective - I / विकल्प – I**

21. Discuss the place of female deity in Vedic mythology.  
वैदिक देवशास्त्र में देवियों के स्थान की विवेचना कीजिए।
22. Assess the contribution of the Alvar Saints to Vaishnavism.  
वैष्णव धर्म में आलवार संतों के अवदान का मूल्यांकन कीजिए।
23. Give a brief account of Linga-worship upto the Gupta period.  
गुप्तकाल पर्यन्त लिंग-पूजा का संक्षिप्त विवरण दीजिए ?

24. How the philosophy of Ramanuja differs from that of Sankara.  
रामानुज का दर्शन शंकर के दर्शन से किस रूप में भिन्न है ?
25. What are the main principles of Arya Samaj ?  
आर्य समाज के प्रमुख सिद्धान्त क्या हैं ?

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II

21. Trace the development of Buddhist Chaitya - architecture upto the 3<sup>rd</sup> Century A.D.  
तीसरी शती ई. तक बौद्ध चैत्य-शिल्प के विकास का निरूपण कीजिये।
22. Underline the foreign elements in the Mauryan art.  
मौर्य कला में विदेशी तत्वों को रेखांकित कीजिये।
23. Discuss the artistic significance of Kuṣāna coins.  
कुषाण सिक्कों के कलात्मक महत्व का विवेचन कीजिये।
24. Describe the scenes of the Ajanta caves of Gupta era as depicted in the 16<sup>th</sup> and 17<sup>th</sup> caves.  
अजन्ता गुफाओं की गुप्त कालीन गुहा संख्या 16 तथा 17 में प्रदर्शित दृश्यों का विवरण दीजिये।
25. Give a brief account of the architectural features of Kandariya Mahadeva temple of Khajuraho.  
खजुराहो के कन्दरिया महादेव मन्दिर के वास्तु-शिल्प की विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प – III

21. Discuss the psycho-moral basis of the Asrama system.  
आश्रम व्यवस्था के मनोवैज्ञानिक एवं नैतिक आधार का विवेचन कीजिए।
22. Examine the evidence for female education in ancient India.  
प्राचीन भारत में स्त्री-शिक्षा सम्बन्धी साक्ष्य का परीक्षण कीजिए।
23. Describe the main points of difference on property right between the Mitakshara and Dayabhaga schools.  
मिताक्षरा एवं दायभाग सम्प्रदायों में साम्प्रतिक अधिकार के विषय पर मतभेद के प्रमुख बिन्दुओं का वर्णन कीजिए।
24. What were the principles of taxation in ancient India ?  
प्राचीन भारत में कर निर्धारण के सिद्धान्त क्या थे ?

25. Discuss the organization and functions of guilds in ancient India.  
प्राचीन भारत में श्रेणियों के संगठन एवं प्रकारों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प—IV

21. What were the major features of regional styles of Indo-Islamic architecture ?  
इन्डो-इस्लामिक स्थापत्य कला की प्रादेशिक शैलियों की प्रमुख विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।
22. Describe the characteristic features of Vijayanagara art.  
विजय नगर कला की विशिष्ट लक्षणों का वर्णन कीजिए।
23. What were the reasons for sufism acquiring a wide spread significance in medieval Indian society ?  
मध्यकालीन भारतीय समाज में सूफीवाद के व्यापक महत्व के क्या कारण थे।
24. Write a brief note on *tawakkul* and *kasb*.  
तवक्कुल एवं कस्ब पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
25. Examine the factors that contributed in the growth of regional literature during the sultanate period.  
सल्तनत काल में आंचलिक साहित्य की वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प—V

21. How did deindustrialization affect Indian economy ?  
अनौद्योगिकीकरण ने भारतीय अर्थ व्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया ?
22. Would you accept the nationalist view that railways helped spread famine in India ?  
क्या आप इस राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को स्वीकार करेंगे कि रेलवे ने भारत में अकाल फैलाने में सहायता दी ?
23. Examine the political ideology of Tilak.  
तिलक की राजनैतिक विचार धारा का परीक्षण कीजिए।
24. Trace the evolution of the concept of Swaraj.  
स्वराज की अवधारणा के विकासक्रम को बताइए।
25. Analyse the sub-altern historiography of India nationalism.  
भारतीय राष्ट्रीयता के उपाश्रित इतिहास-लेखन का विश्लेषण कीजिए।



Blank lined paper with 30 horizontal lines.

















SECTION - IV

खण्ड – IV

**Note :** This section consists of one essay type question of **forty (40)** marks to be answered in about one **thousand (1000)** words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

**नोट :** इस खंड में एक **चालीस ( 40 )** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक **हजार ( 1000 )** शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Critically discuss the main religious trends prevalent in the early medieval India.

पूर्व मध्यकाल में प्रचलित प्रमुख धार्मिक प्रवृत्तियों का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।

**OR / अथवा**

Trace the various stages in the development of the rock-cut architecture in Western India.

पश्चिम भारत में शैल- कृत वास्तु के विकास की विभिन्न अवस्थाओं का निरूपण कीजिए।

**OR / अथवा**

Give an account of Ancient Indian republics. Why did they disappear ?

प्राचीन भारतीय गणतंत्रों का विवरण दीजिए। वे क्यों लुप्त हो गए ?

**OR / अथवा**

Discuss the gender relations in medieval Indian Society.

मध्यकालीन भारतीय समाज में लिंगिक संबंधों का विवेचन कीजिए।

**OR / अथवा**

Analyse the ideas of 19<sup>th</sup> century Indian intellectuals on the question of modernization of Indian religion and culture.

१९वीं शताब्दी के भारतीय बुद्धिजीवियों के भारतीय धर्म एवं संस्कृति के आधुनिकीकरण के प्रश्न पर जो विचार थे उनका विश्लेषण कीजिए।

Blank lined page for writing or drawing.

Lined writing area consisting of 27 horizontal lines.



Lined writing area consisting of 25 horizontal lines.

A series of horizontal lines for writing.



FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....